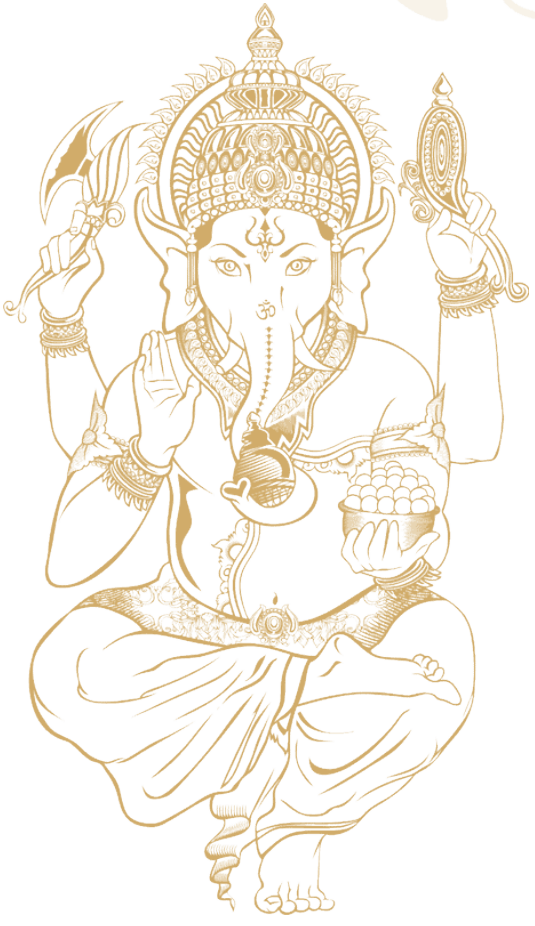

Anuraj Mishra

11 Oct 2018

08:45 PM

Bandel

Model: web-freekundliweb

Order No: 121044609

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/2018**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:45:00 घंटे**
इष्ट	38:03:06 घटी
स्थान	**Bandel**
देश	India

अक्षांश	22:56:00 उत्तर
रेखांश	88:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:08:28 घंटे
वेलान्तर	00:13:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:29:07 घंटे
सूर्योदय	05:31:45 घंटे
सूर्यास्त	17:14:40 घंटे
दिनमान	11:42:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:08:19 कन्या
लग्न के अंश	24:28:32 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:28:32	347:16:12	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कन्या	24:08:19	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			तुला	25:42:03	13:16:19	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मक	16:24:59	00:28:05	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	तुला	08:22:10	01:32:08	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	00:00:43	00:11:57	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व		तुला	16:03:02	00:13:54	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	09:25:10	00:03:19	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु	व		कर्क	08:28:42	00:10:24	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	08:28:42	00:10:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	06:56:36	00:02:23	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	20:05:54	00:01:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	24:40:07	00:00:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	11:20:52	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:54

लग्न-चलित

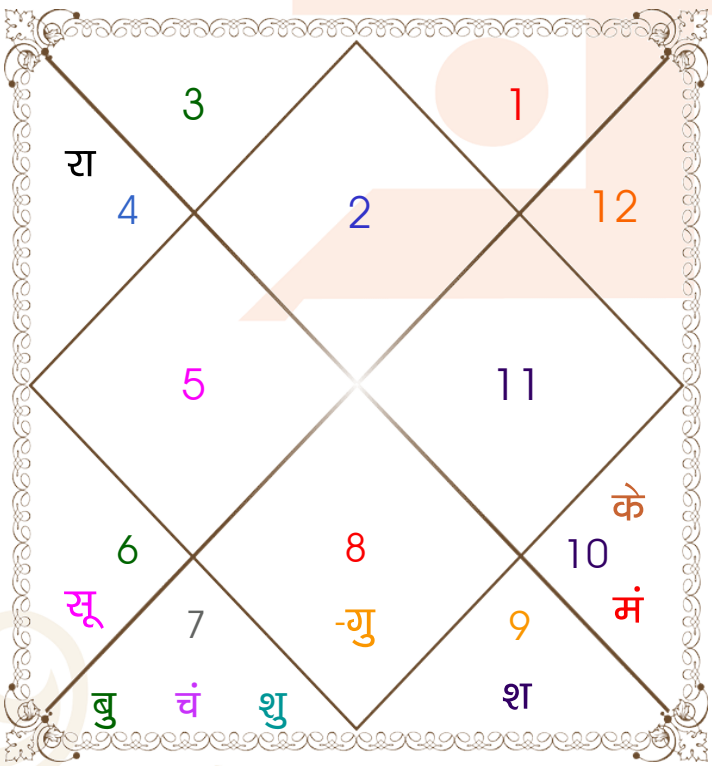

चन्द्र कुंडली

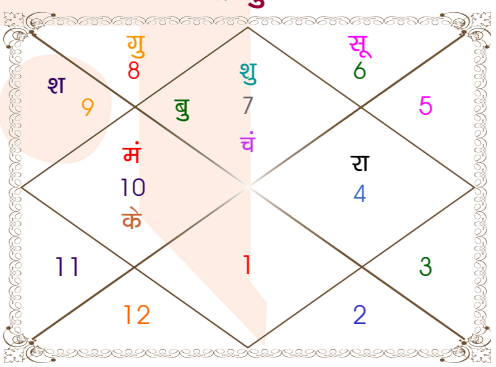

नवमांश कुंडली

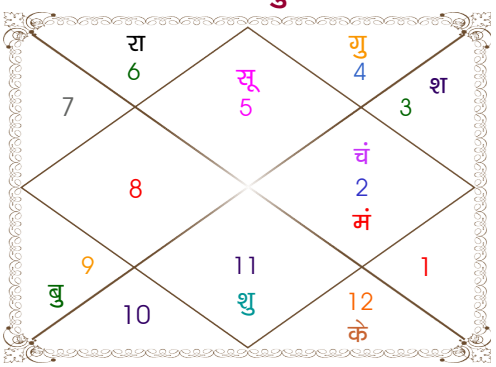

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 1 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/10/2018		09/12/2027		08/12/2046		09/12/2063		08/12/2070	
09/12/2027		08/12/2046		09/12/2063		08/12/2070		08/12/2090	
	00/00/0000	शनि	11/12/2030	बुध	06/05/2049	केतु	06/05/2064	शुक्र	09/04/2074
	11/10/2018	बुध	21/08/2033	केतु	03/05/2050	शुक्र	06/07/2065	सूर्य	09/04/2075
बुध	14/11/2018	केतु	29/09/2034	शुक्र	03/03/2053	सूर्य	11/11/2065	चंद्र	08/12/2076
केतु	21/10/2019	शुक्र	29/11/2037	सूर्य	08/01/2054	चंद्र	12/06/2066	मंगल	07/02/2078
शुक्र	21/06/2022	सूर्य	11/11/2038	चंद्र	09/06/2055	मंगल	08/11/2066	राहु	07/02/2081
सूर्य	09/04/2023	चंद्र	11/06/2040	मंगल	05/06/2056	राहु	26/11/2067	गुरु	09/10/2083
चंद्र	08/08/2024	मंगल	21/07/2041	राहु	24/12/2058	गुरु	01/11/2068	शनि	08/12/2086
मंगल	15/07/2025	राहु	27/05/2044	गुरु	31/03/2061	शनि	11/12/2069	बुध	08/10/2089
राहु	09/12/2027	गुरु	08/12/2046	शनि	09/12/2063	बुध	08/12/2070	केतु	08/12/2090

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/12/2090		08/12/2096		09/12/2106		09/12/2113		10/12/2131	
08/12/2096		09/12/2106		09/12/2113		10/12/2131		00/00/0000	
सूर्य	28/03/2091	चंद्र	08/10/2097	मंगल	08/05/2107	राहु	21/08/2116	गुरु	27/01/2134
चंद्र	27/09/2091	मंगल	09/05/2098	राहु	25/05/2108	गुरु	15/01/2119	शनि	09/08/2136
मंगल	01/02/2092	राहु	08/11/2099	गुरु	01/05/2109	शनि	21/11/2121	बुध	12/10/2138
राहु	26/12/2092	गुरु	10/03/2101	शनि	10/06/2110	बुध	09/06/2124		00/00/0000
गुरु	14/10/2093	शनि	10/10/2102	बुध	07/06/2111	केतु	28/06/2125		00/00/0000
शनि	26/09/2094	बुध	10/03/2104	केतु	03/11/2111	शुक्र	28/06/2128		00/00/0000
बुध	03/08/2095	केतु	09/10/2104	शुक्र	02/01/2113	सूर्य	22/05/2129		00/00/0000
केतु	09/12/2095	शुक्र	10/06/2106	सूर्य	10/05/2113	चंद्र	21/11/2130		00/00/0000
शुक्र	08/12/2096	सूर्य	09/12/2106	चंद्र	09/12/2113	मंगल	10/12/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।